भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा 4794

अतारांकित प्रश्न संख्या

दिनांक 28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तराखंड में हेपेटाइटिस-सी का प्रकोप

4794. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को उत्तराखंड के गढ़रोना गांव में हेपेटाइटिस-सी के प्रकोप, जहां अब तक 100 से अधिक मामले सामने आए हैं, की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस प्रकोप के संभावित कारणों की पहचान करने के लिए अब तक कोई जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह जलजनित है या चिकित्सा लापरवाही से संबंधित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(ङ) क्या सरकार जलापूर्ति की गुणवत्ता में सुधार लाने और भविष्य में ऐसे प्रकोपों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के लिए कोई विशिष्ट योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): भारत सरकार (जीओआई) वर्ष 2018 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्त्वावधान में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) को क्रियान्वित कर रही है, जिसके तहत हेपेटाइटिस सी, ए और ई के लिए निःशुल्क निदान और उपचार सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

स्वास्थ्य राज्य का विषय है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यक्रम कार्यकलापों के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के आधार पर धन आवंटित किया जाता है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनी आवश्यकता, प्राथमिकता और अपनी अवशोषण क्षमता के आधार पर निधि का उपयोग करना आवश्यक है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को लचीलापन प्रदान करने के लिए एनएचएम के लचीले पूल के तहत एकमुश्त आधार पर कार्यक्रम निधि आवंटित की जाती है।

हेपेटाइटिस सी वायरस का संक्रमण जल जनित नहीं है और न ही इसका किसी चिकित्सकीय लापरवाही से संबंध है। यह रक्त जनित वायरस है और अधिकांश संक्रमण संक्रमित रक्त और रक्त उत्पादों के संपर्क में आने, असुरक्षित इंजेक्शन परिपाटी, इंजेक्शन दवा के उपयोग और संक्रमित भागीदारों के साथ यौन संबंध बनाने के कारण होता है, जिससे व्यक्ति रोग के संपर्क में आते हैं।

उत्तराखंड सरकार ने बताया है कि एसडीएच रुड़की में हेपेटाइटिस सी के 16 मामले उपचाराधीन हैं और ग्राम गढ़रोना में शिविर के दौरान वायरल लोड के माध्यम से हेपेटाइटिस सी के 24 मामलों की पुष्टि हुई। हेपेटाइटिस सी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया गया है, जिसमें हेपेटाइटिस सी के बारे में लोगों को आईईसी उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा निम्नलिखित उपाय भी किए गए हैं:-

1. ग्राम गढ़रोना के कस्बे के डॉक्टरों को भी हमेशा नई सीरिंज का उपयोग करने के लिए कहा किया गया है।
2. इस क्षेत्र के नाइयों को हमेशा नए ब्लेड का उपयोग करने के लिए कहा गया है।
3. लोगों को शरीर पर टैटू और पियर्सिंग के बारे में सावधान रहने के लिए कहा गया है।
4. संक्रमित साथी के साथ यौन संबंध बनाने से बचना चाहिए।

*****